तुबारि

www.pangi.in
अब अंग्रेजी, हिन्दी त पंगवाड़ी भाषा अन्तर असी।

Issue - 099,
September. 2020

इस मेह्‌ने तुबारि संस्करण तुसी हरालण जे अस सुआ खुश असे। छने पढ़ुण जे एन्हि कथाई त कविताई पुठ चिकिण दिए। वापिस इस पन्ने पुठ एण जे पन्ने पड्‌डे दुतो विषय सूची पुठ चिकिण दिए। धन्यवाद

संख्या	विषय सूची	पृष्ठा
1.	सोहो	1
2.	केसे किस्मत अब्बल असी?	9
3.	मुश	10
4.	कुई	10
5.	जिन्दगी दर्शण	11
6.	गभुरु	12
7.	अब्बल सोच	12
8.	हसाण	13

सोहो

यक फौजी थिआ। तसे यक कुई थी। तेस नउ नेहा थिउ। नेहे अपु बोउ गी घट बधेईं काओ थिआ। नेहा तीसरी कलास पढ़तीथ। जपल बि तेन्के स्कूले मिटिंग भुन्तीथ त मिटिंग अन्तर तसे ईए घेन्तीथ। नेहा धिक हउ बोडी भुई त तेस पता लगा कि तसे बोउ यक फौजी असा, त साले यके दुईए लिंगि छुटटी गी एन्ता।

यक रोज जपल स्कूले मिटिंग भुई त केसे बझई जुओई तसे ई स्कूल एई न बटी। स्कूल मस्टराणी नेहा केईंया घड़ी घड़ी पुछण लगो थी। नेहा घड़ी घड़ी कलास केईंया बाहरी एई कइ हेरण लगो थी, पर तेन अपु ई न काई। जीं जीं स्कूले छुटटी भुणे टेम भुण लगो थिआ, तीं तीं नेहा मने मन अपु ईया जे लेहर एण लगो थी। अखिर स्कूल छुटटी भुई त नेहा सधे गी आई त अन्तर एन्ते ईं अपु ईया जे हक देण लगी, “ईया ईया.....।” अन्तरा आवाज आई, “अन्तर आई, कुईए अन्तर आई।” ए तसे भेईयाड़े चाची/मठि ईए आवाज थी।

जपल नेहा अन्तर भखेरी आई त हेरु कि तसे ई बछाण पुठ सलीए असी, त तसे मगरी जुओई पटटी बन्हो असी। तेस जुओई साते भेईयाड़े चाची//मठि ई बिशो थी। नेहे पता लगा कि जपल तसे ई स्कूल मिटिंग जे अओ थी त बथ तसे एक्सीडेंट भोई गो थिआ।

विषय सूची

तसे मगरी बोडा छन्न गो थिआ। तिखेईए तेन बते बइ मठि ई बि गओ थी। तेन से टाई कइ तेठि भेएड़ यक डॉक्टर केईं नी त तठिया पटटी करवाई कइ गी घिन अओ थी।

नेहा यकदम डर गई, पर मठि ईए त तसे ईए नेहा हौंसला दता। ईं हेर कइ नेहे मने मन अपफ पुठ लेहर एण लगी कि से खामखहा ईया पुठ लेहर कढ़ण लगो थी। तेस कि पता थिआ कि ई केस हालत अन्तर असी?

मठि ई घेई गई त नेहा अपु ईया केईया पुछण लगी, 'ईया, बोउ गी किस न बिश्ता? अगर बोउ गी भुन्ताथ त तुं जगाई से स्कूल मिटिंग एई सकतेथ। तुसी खामखहा...।

ईं बोक शुण कइ नेहा ईए बोलु, "कुईए, तें बोउ फौजी भो। फौजी घटे ई छुट्टी मेती।" "पर ईया..।" नेहे बोक होता आधी ईं थी कि ईए मुस्कराई कइ बोलु, "कुईए, तु होता सुआ मठणी असी। जपल बोडी भोल त तोउ सोब किछ पता लगी घेन्ता। फौजी बणुण सुआ नाजे बोक असा। फौजी त हें देशे रक्षा कते। देशे रक्षाई लिए से अपु जान बि हसते हसते दी छते। तोउं त तेन्हि जे सरहदे जांबाज बोते।' नेहा धिक हऊ बोडी भुई त तेस समझ आऊ कि तसे बोउ सियाचिन ग्लेशियर पुठ ड्यूटी कता।

विषय सूची

यक रोज नेहा स्कूला गी आई त अपु ईया जे बोलु, "ईया, में कलास यक कुई होरी अओ असी। तेस नउ रमा असु। से बोती कि तसे बोउ बि फौज अन्तर हैलीकॉप्टरे पायलट असा। कि से बि फौजी भो ना?" ईए बोलु "आँ बिल्कुल, से बि फौजी भो। से बि त हें देशे रक्षा लिए कत मुश्किल अन्तर हैलीकॉप्टर उडारते।"

नेहा सवाली पुठ सवाल करण लगो थी। "ईया, तेन्के तए की कम भुन्तु? कि तेन्हि केईं बि बन्दूक भुन्ती ना? से बि दुश्मणी के मुकाबला कते ना?"

नेहे फौजी अन्तर दिलचस्पी हेर कइ ई खुश भोई कइ हसण लगी त बोलु- "लगतु कि तु बि अपु बोउए ईं फौजी बणती। जे अत सवाल पुछ्ण लगो असी। ईं शुण कइ नेहे बोलु, "बोल ना ईया, कि पायलटी केईं बि बन्दूक भुन्ती ना?" ईए जवाब दुतु "नेहा, फौजी के पायलटी केईं बि कोई न कोई हथियार भुन्ते। किस कि ना जाणे कपले कोठि बि तेन्के मुकाबला दुश्मणी जुओई भोई घियाल। तीं त पायलटी के कम बोडर पुठ जेठि दुश्मणी के गोड़ी हमेशा चलती रेहंती या खराब मौसम त सुआ खड़िया ओखे ओखे फाटी पुठ घेई कइ हें फौजी के मदत करीण असी। गोड़ी चलण अन्तर हें फौजी बि त घयल भुन्ते ना?

पायलट अपु हैलीकॉप्टर तेठि सुसुर जगाई पौउआंता त घायल फौजी हैलीकॉप्टर अन्तर फौजी के हस्ताड़ घिन एन्ता।"

विषय सूची

नेहा होता ईया जुओई बोकी लगोरी थी कि द्वारे घन्टी बजी। नेहे झठ दवार उघाड़ू त हेरु तसे सेहली स्वीटी थी। तिखेईं तेस याद आई कि तेन्हि अपु यक होर सेहली रुबीनिए गी घेण असु। आज तसे जामली असी। नेहा झठ तियार भुई त स्वीटी जुओई रुबीनिए गी जे घेई गई।

केहि रोजे पता, नेहे बोउ छुटटी नी कइ गी आ त से तेन्के कियाड़ी जुओई शची गई त बोलु "बोउआ, तुं कीं नौखरी असी? में सेहली के बोउ त हमेशा गीहे बिश्ते या फि दफ्तर केईंया नौखरी कइ कइ ब्यादी जे गी एई घेन्ते। पर यक तुस असे, जे अत लम्मा टेम लाई छते गी एण जे। बोउआ तुस एस नौखरी छड़ दिए।" नेहे ईं बोके शुण कइ तसे बोउए तसे मगरी फोकड़ियाई त बोलु "अगर अउं त में फौजी भाई नौखरी छड़ दी कइ गी बिश घियल त तोउ पता असा ना कि भुन्तु?" "कि भुन्तु बोउआ" नेहे झठ पुछु। "हें दुश्मण हें देश पुठ कब्जा कइ छते। अस सरहद पुठ घेई कइ तेन्हि हारांते। भले ईं हें जान बि घेई घियल, पर अस अपु देश किछ भुण न देन्ते।"

तढ़िया पता जपल बि नेहे बोउ छुटटी नी कइ गी एन्ताथ, नेहा अपु बोउ त तसे दोस्ती के बहदुरी के बोके शुण कइ खुश भुन्ती त तसे मन अन्तर अपु देशे बहादूर फौजी के लिए सुआ इज्जत भरी घेन्ती। छुटटी कटि कइ नेहे बोउ फि घेई गा।

यक रोज नेहे बोउए फोन आ कि अब तसे ड्युटी कारगिल लगो असी किस कि कारगिल युध्द छिड़ गा। अब तेन्के सोब फौजी कारगिल जे घेण लगो असे।

विषय सूची

बी त रेड़ियो पुठ लगातार खबरे एण लगो थी। केहि रोज तकर त नेहे त नेहे ईए बोके नेहे बोउ जुओई भुन्ती रेही। पर फि केहि रोज तकर तेन्के बोके न भुई। नेहे दिल धक धक करण लगा त तसे ई मने मन तीं डरो थी, पर तेन नेहे पता लगण न दिता। नेहा स्कूल घेन्तीथ, पर तसे मन पढ़ेई अन्तर कतैई न लगताथ। तसे मन अपु बोउएरी कना थिआ। तसे दिल दिमाक अन्तर गोड़ी त बमी के आवाजे ईं घुमण लगो थी।

फि केसे जाण पिछाण बाड़े केईंया पता लगा कि नेहे बोउ त तसे होरे फौजी साथि तीं बहादूरी जुओई लड़ण लगो असे। नेहे जामली बि एसे मेहने अखिर अन्तर अओ थी। सरहद पुठ घेण केईंया पेहले तसे बोउ सोह कर कइ गो थिआ कि से तसे जामली पुठ जरुर छुटि नी कइ गी एन्ता।

युध्द रुकणे नोउए नेण नेओथ लगो। जीं जीं नेहे जामली तारीख निड़ एण लगो थी, नेहा मने मन खुश भुण लगो थी। अपु केहि सेहली तेन पेहलाई धाम कइ छओ थी, होर सोबी जे ईं बि बोल छओ थिउ कि तसे बोउ बि जामली पुठ छुट्टी नी कइ एण लगो असा।

धाणि त तसे जुएली केआं अब सते बंटी अठ फेरे लवाण चाहिए। सत फेरे तेन्के व्याहे, अठुं जे फेरा असा, से कुई जे लवाण चहिए कि से कुई बचान्ते त तेस पढ़ान्ते।

विषय सूची

नेहे जामली जे सिर्फ टाई रोज रेहि गो थिए। यक रोज अजगता राति नेहे ईए मोबाईल पुठ घन्टी बजी त तसे ई डर गई। तेन झठ फोन टाता त हैलो किउ। फोन पुठ फौजी के अफसर बोलुण लगो थिआ। जपल नेहे ईए बुरी खबर शुणी त तसे लियारी निस गई, पर तेन झठ अपु दुख मन अन्तर नियोकइ छड़ा। होर पूरे विश्वास त तागत जुओई नेहा जे एसे बारे बोल छऊ त नेहा जोरी जोरी रोलुण लगी।

कारगिल युध्द अन्तर जपल नेहे बोउ दुश्मनी पुठ ठीक-ठाक गोड़ी चलांते चलांते तेन्हि दौड़ाण लगो थिआ त अजगता यक यक कर कइ दुई गोड़ी तसे जंघी पुठ लगी। से झठ फौजी के हास्ताड़ आहण्ता। तेठि डॉक्टरी बोलु कि एसे जंघी सुआ नुक्सान भोई गो असा, जेसे बझई जुओई जंघ झठ कटीण एन्ती न

त हऊ सुआ नुक्सान भोई घेन्ता। फैसला झठ नेण थिआ। तोउं त, डॉक्टरी के सलाही मुताविक तिहांणी करुण अऊं। तपल तकर नेहा त तसे ई बि हास्ताड़ पुज गो थी।

जिएस नेहे बोउ हास्ताड़ पुजा, तिएसे नेहे जामली थी। अब नेहे बोउ होश एई गो थी, पर तसे चेहरे पुठ जितणे खुशी थी। से खुश भोई कइ बताण लगो थिआ कि तेन्हि कीं अपु देशे दुश्मण अगर एण केईंया रोके त हराई कइ पतूं दौड़णु जे मजबूर कइ छड़े। नेहे बोउए नेहे टीरी अन्तर अंखू हेर कइ मुस्कराण लगो थिआ त बोलुण लगो थिआ,

विषय सूची

“बहादुर बोउए कुई टीरी अन्तर अंखू ना?” फि तेन नेहे टीरी के अंखू धुशी कइ बोलु “नेहा अउं त बिसरी गो थिआ आज त तें जामली असी, बोल की लौतु तोउ?” नेहा चेरे तकर सोचती रेहि, फि बोलु “जे किछ मगू त पुरु कते ना, वादा करे।” “अपु कुई जामली पुठ तसे हर इच्छा पुरी कता।” बोउए बोलु।

“जपल अउं बोडी भोई घिउं त तुस मोउं फौजी बणांते ना, ताकि अउं तुं सपनी पूरे कइ सकू।” “ए भुई न बहादुर बोउए बहादुर कुई बाड़ी बोक। अतु बोल कइ तेन्हि नेहा कियड़ी जुओई लाई छई। फि तसे मगरी फोकड़ियाई कइ बोलु, “कुईए, तें सपना पूरा भुन्ता। अब अउं टूंटा, लटा न रिहा।” नेहा अपु बोउ जुओई कलोशी गई। भेएड़ बिशो यक फौजी नेहे जे जय हिन्द किउ। नेहे ई बि मुस्करियाण लगो थी।

-परमेश्वर मोउं चारणेबाड़ा भो, मोउं कोई घाटी ना भुन्ती। -से मोउं नीले नीले दांगी बिशाणता, से मोउं सुख देणे बाड़े पणि छौए भेएड़ घिन घेन्ता। -से में जान अन्तर जान घिन एन्ता। धर्मी मेह्णु बत से अपु नोउए मुताविक में अगुवाही कता।

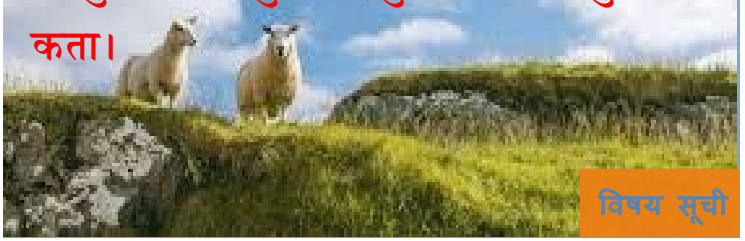

विषय सूची

केसे किस्मत अब्बल असी?

यक लिंगि दुई दोस्त घुमते घुमते यक मेहले भेएड़ पुज गए। यक दोस्ते तेस अब्बल मेहल हेर कइ बोलु, "जपल इस मेहल अन्तर बिशणे बाड़ी के किस्मत लिखणी लगो थी तपल अस कोठि थिए?" दोके दोस्ते अपु दोस्ते हथ टातु त तेस हास्पताड़ घिन गा, त तेठि बीमार मेहणु हराली कइ बोलु, "जपल इन्के किस्मत लिखीण लगो थी त तपल अस कोठि थिए? भगवाने हेन्धे जे किछ बि दुतो असु तेस अन्तर असी खुश बिशुण चाहिए।

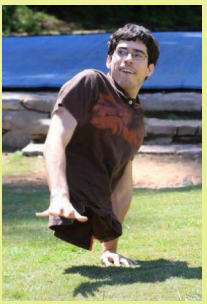

केनि सन्ते कतु अब्बल बोलो असु कि तुस अपु पुराणे बुट हेर कइ परिशान किस भुन्ते? संसार अन्तर त केहि मेहणु ईं बि असे जेन्के खुरे नेई। असी एस मालिके हर हाल अन्तर धन्यवाद करुण शिचुण असु। में मालिके सोब किछ दुतो असु। तोउं त, "ए मालिका! आज बि तें धन्यवाद, शुई बि धन्यवाद, हर टेम तें धन्यवाद।

विषय सूची

मुश

यक मुशे हीरा निगिल छड़ा त हीरे मालिके तेस मुश मारण जे यक शिकरी धे ठेका दी छड़ा। जपल शिकरी मुश मारण जे पुजा त तेठि हजारों मुशी के हुसड़ा यकेकी पुठ चढ़ो थिए। पर यक मुश तेन्हि सोबी केईंया बखरा बिशो थिआ। शिकरी सधे से मुश टाता जेन हीरा निगलो थिआ। हैरान भोई कइ हीरे मालिके पुछु, हजारों मुशी अन्तरा इनी मुशे हीरा निगलो असा ए तोउ कीं पता लगा? शिकरी जवाब दुतु, "सुआ सुखतु थिउ, जपल मुर्ख अमीर बणी घेन्ता, तपल अपु तेन्हि जुएई बि मिलण जुलण जे बि सोउ लिंगि सोचता।

कुई

यक कुई अपु बोउ केईंया यक अब्बल ईं सवाल किआ कि "बोउआ दवार केईं इ जे बुटा असा, एस पतूई बग लाई छते।" बोउ हैरान भोई गा त बोलु, "कुईए ए चोउरु साल पुराणा बुटा भो। एस नोई जगाई नोउए जन अन्तर बसुण मुश्किल भुण असु।"

तोउं कुई टीर भरी आंखू कर कइ बोउ केईंया सवाल किया कि "यक बुटा होरा बि त असा, तुं दवारे जे 22 साल पुराणा भो। कि से नोई जगाई बस सकता ना?" बोउए कुई बोक पुठ सोची कइ बोलु "ए शक्ति पूरे संसार अन्तर सिर्फ जिल्हाणु केईं असी। नोउए जगाई बसी कइ होरी के सेवा कती, त पूरी उम्र तेन्के लिए जीन्ती। कुई केईआं ईं, ई, भेण त जुएली असी।"

विषय सूची

जिन्दगी दर्शण

दुई शेर थिए। यक जवान त यक बुढा। दुहि अन्तर खरी दोस्ती थी। तेन्हि दुहि शेरी अन्तर यक रोज गलतफेहमी या बेहम भोई गा। तोउ से दुहे जेईं यक होरी दुश्मण बणी गे।

यक रोज बुढा शेर 25 -30 कुतरी बटेरी छड़ा त खाण शुरु कइ छड़ा। तिखेईं तेठि जुवान से शेर पुजी गा त जोरी जुओई दाहाड़ दे त सोब कुतर नशी गे। तोउं जुवान शेर बि तठिया घेई गा।

ईं सोब हेरण लगो होरे शेरी तेस केईंआ पुछु कि तुस दुहे जेईं यक होरी जुओईं बोके न कते त फि तेईं ए बचा किस? तोउं जुवान शेरे बोलु, अपफ बुच

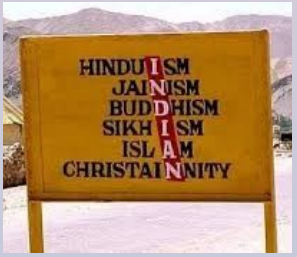

झगड़ी मड़ीण, उशकण, मनाण भलेई भोल, पर समाज अन्तर ईं कमजोरी ना लौती कि कुतर बि तसे फाईदा उठाई सकियेल। मतलब सुआ गेहरा असा। बस समझणे जरुरत असी।

गभुर

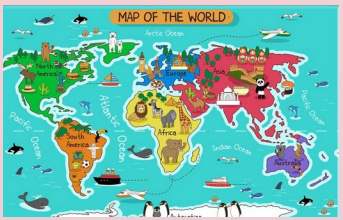

यक गभुर अपु डाक्टर बोउए कम अन्तर हल्ला करण लगो थिउ। बोउए तसे धे धरतीए नक्शे टुकुड़ टुकुड़ किए त अपु गभुर जे बोलु, "इस नक्शे सुसुर जोड़ कइ मोउं हरालीण दे।"

बोउए सोचु कि गभुरु दुई टाई घन्टे लग घेन्ते। पर गभुरु झठ नक्शा जोड़ी कइ घिन अऊ। डाक्टर बोउए पुछु, "अतु झठ कीं जोड़ छड़ा, तेईं नक्शा। गभुरु बोलु कि नक्शे होर कना मेहणु फोटो थी, मेईं नक्शा उमला कर कइ जोड़ी छड़ा। मेईं सोचु अगर मेहणु ठीक भोई गा त मतोक अपणे आप ठीक भोई घेन्ता।

गभुर बोक सीधी थी, पर सुआ समझणे बाड़ी थी।

अब्बल सोच

केनि धाणि अब्बल लिखो असु, अपु जुएली बारे.....।

अउं उंगता घर अन्तर शान्ति भोई घेन्ती,
से उंघती घर शुन्ना भोई घेन्ता।
अउं गी एन्ता घर अन्तर शान्ति भोई घेन्ती,
से गी पठती घर अन्तर रोनक एई घेन्ती।
अउं उंघिया खड़ींता, घर अन्तर मोउं केईंआ मगुड़ु शुरु भोई घेन्तु, से उंगिया खड़ींती, घर अन्तर पुजाई घन्टी बजण शुरु भोई घेन्ती।

में गी पटुणु तसे विश्वास बधता, तसे गी पटुणु घर अन्तर लक्ष्मी त अन्ने वास भुन्ता।

जुएली चुटकली अन्तर हसणे लेएक नेई,
से हमसफर भो, रक्षा करणे बाड़ी भो, टब्बरे शक्ति भो।

विषय सूची

तुबारि मासिक पत्रिका

- तुबारि मासिक पत्रिका ई उम्मीद करुं लगो असे कि एण बाड़े रोज अन्तर सुआ मेह्णु इस कम अन्तर साथोट देन्ते।
- इस तुबारि मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगी घाटि अन्तर पढुं जे त भाषाई सुहलियत करण जे इ पत्रिका शुरु किओ असी।
- तुबारि यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।
- तुबारि पत्रिका कोई मेह्णु] जनजाति] त संस्कृति गलती कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोई ई सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।
- छपाणे पेहले सोब आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेह्णु हरालो असे। इ त खुली बोक असी कि पेहलि बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलती बि भुन्ति। अगर कोई लिखणे गलती असी त असी जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।
- आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेह्णु के साथोट ना मिएल त तुबारि पत्रिका कदी बि बंद भुई सकती।
- कोई चीज छपां असी या नेई छपां जे तुबारि संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।
- अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार हरिराम लाले दुकान अन्तर तुबारि ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असी।
- अस सोबी पांगी मेह्णु जे हात जोड़ कइ अनुरोध कते कि तुस बि कोई अछा अर्टिक्ल पुराणि या नोई कथा, कहावत, कविता, त नोई घीत (पागवाड़ी अन्तर लिख कइ छपां जे हेंधे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम

9418429574
9418329200
9418411199
9418904168
9459828290

हसाण

😎 ठाणेदार- जिएस तें मोटर साईकिल चोरिए थी तेईं तिएस रिपोर्ट किस न लिखाई।
मेह्णु- हुजूर, मेईं सोचु कि चोर मोटर साईकिले मरमत करवाई बिशाल त तोउं रिपोर्ट लिखांता।

😎 यक मठड़ु गभुरु अपु बोउए कियाड़ी जुओई बिलि टाई बन्हो हेर कइ पुछु- बोउआ इ कि भो?
बोउ- बगैर जवाब देण हसण लगा।
गभुरु- अच्छा अउं समझी गा। ईए नक धुशण जे टली बन्हो असी।

गीहा बाहरी न निसे

“बेवजहा गीहा बाहरी निसणे जरुरत की असी”

“मौत जुओई नजर मियाणे जरुरत की असी”

“सोबी पता असा बाहरी
बियारी मारणे बाड़ी असी”

“ईहांणि मौत जुओई टक्कर नेणे
जरुरत की असी”

“जिन्दगी यक भगवाने दुतो नेमत असी, एस समाहड़ी कइ रखे”

“दिल बहलाण जे गी अन्तर बजहा असी सुआ”

“ईहांणि गैहाई गैहाई
भटकणे की जरुरत असी”

अपु गी बिशे ताकड़े बिशे।

गिहा नसते टेम यक लिगिं जरुर ई सोचे कि असी की मजबुरी असी। हें जिंदगी कियां ज्यादा जरुरी की असु? असी सोबी मुहु जोई मास्क लाई कइ होर जगाही या बाजार जे घेण, जेसे बोली कि असी केसे किस्मी कोई बीमारी हानी न करीयेल।

विषय सूची